Roll No. ..... **196** Total Printed Pages : 3

B.A. (Pt. III)
4007- II

Hindi Lit - II

B.A. (Part III) EXAMINATION, 2023

(Faculty of Arts)
[Also Common with Subsidiary Paper of B.A. (Hons.) Part III]
(Three- Year Scheme of 10+2+3 Pattern)

HINDI LITERATURE
SECOND PAPER
नाटक एवं निबंध

TIME ALLOWED : THREE HOURS

Maximum Marks – 100

(1) No supplementary answer-book will be given to any candidate. Hence the candidates should write The answer precisely in the main answer-book only.
किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नही दी जाएगी । अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों का उत्तर लिखें।

(2) All the parts of one question should be answered at the one place in the answer-book. One complete question should not be answered at different places in the answer book.
किसी भी एक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गये विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर -पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर हल करें।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

P.T.O.

https://www.msbuonline.com

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) राजनीति ही मनुष्यों के लिए सब कुछ नहीं है। राजनीति के पीछे नीति से भी हाथ न धो बैठो, जिसका विश्व-मानव के साथ व्यापक संबंध है। राजनीति की साधारण छलनाओं से सफलता प्राप्त करके क्षणभर के लिए तुम अपने को चतुर समझ लेने की भूल कर सकते हो, परंतु इस भीषण संसार में एक प्रेम कर देने वाले हृदय को खो देना सबसे बड़ी हानि है।" (10 अंक)

अथवा

राजा अपने राष्ट्र की रक्षा करने में असमर्थ है, तब भी उस राजा की रक्षा होनी ही चाहिए। अमात्य, यह कैसी विवशता है! तुम मृत्युदण्ड के लिए उत्सुक! महादेवी आत्महत्या के लिए प्रस्तुत! फिर यह हिचक क्यों? एक बार अंतिम बल से परीक्षा कर देखो। बचोगे तो राष्ट्र और सम्मान भी बचेगा, नहीं तो सर्वनाश।

(ख) " यह तो बहुत आसान काम है। मुझे भी करना आता है, पर उसके परिणाम के बारे में सोचा है? प्रजा के विद्रोह को इस बार हम सब मिलकर भी शांत नहीं कर पायेंगे। राज-शक्ति के प्रभाव को एक बार देख चुके हो। लोक शक्ति के समक्ष वह शक्ति कुछ भी नहीं थी। उस बार तो मीरा ने रक्षा कर ली।" (10 अंक)

अथवा

"वर्तमान में विभिन्न संप्रदायों में स्पष्ट मतभेद चिंताजनक है। इस तरह तो लोगों में विघटनकारी शक्तियाँ प्रबलतम होती जायेंगी। उधर विदेशी आक्रांता पूरे राष्ट्र को किसी विशालकाय अजगर की भाँति निगलने को प्रस्तुत हैं और इधर हम धर्म तथा सम्प्रदाय के नाम पर परस्पर विभाजित हैं।"

(ग) "छाया-भारतीय दृष्टि से अनुभूति ओर अभिव्यक्ति की भंगिमा पर अधिक निर्भर करती है। ध्वन्यात्मता, लाक्षणिकता, सौंदर्यमय प्रतीक-विधान तथा उपचार वक्रता के साथ स्वानुभूति की विवृत्ति छायावाद की विशेषताएँ हैं। अपने भीतर से मोती के पानी की तरह आंतर स्पर्श करके भाव सम्पर्ण करने वाली अभिव्यक्ति-छाया कांतिमयी होती है।" (10 अंक)

अथवा

" जिंदगी कुछ ऐसी ही बेदर्द है कि दुःख का संकल्प भी नहीं देती, दुःख में मिटने का संकल्प भी नहीं लेने देती। इतनी नादान है कि नीचे गिरे हुए पत्तों सरीखे झूठे सुख के सपने बीनती रहती है। यह न जलना जानती है, न सरसना, केवल गीली लकड़ी की तरह धुआँ बनना जानती है, अपने लिए भी, दूसरों के लिए भी घुटन बनना जानती है। काश, बाजू के तमाल से सीख लेती, समूची की समूची मिटती और समूची की समूची मिटकर महकती।"

(घ) " सत्ता हमारे पास है, सत्ता का ज्ञान भी हमें है, लेकिन सत्ता का उचित प्रयोग करने की समझ हमें नही है। अपनी इस विराट् सत्ता के आगे हम स्वयं विवश-से हैं। हम कह सकते हैं कि सत्ता और विवेक का यह वैषम्य,

https://www.msbuonline.com

यह मौलिक विसंगति ही हमारी सभ्यता का विशेष लक्षण है -सभ्यता का विशेष लक्षण भी और विशेष खतरा भी। हमारी सभ्यता की और हमारे युग की बुनियादी समस्या यही है.....।" (10 अंक)

अथवा

"मनुष्य दैनन्दिन समृद्धता के साथ-साथ कुटिलतर और जटिलतर होता जा रहा है; उसकी अंतर्निहित निठकलंक निर्मलता का लोप होता जा रहा है; फलतः किसी भी गम्भीरतर-वृहत्तर दुःखबोध की भावना आधुनिक साहित्य में नही है। जो कुछ दुःख बोध है वह क्रोध या सेक्स की खुजलाहट मात्र है।"

2. चंद्रगुप्त के चरित्र में वीरता, उदारता, निर्भीकता, कर्तव्यपरायणता आदि अनेक गुण समाहित हैं। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (15 अंक)

अथवा

"ध्रुवस्वामिनी एक सफल अभिनेय नाटक है।" कथन की समीक्षा कीजिए।

3. " 'मुक्तिपथ' नाटक में वर्णित मीरा की वेदनानुभूति मध्यकालीन नारी की वेदनानुभूति है।" इस कथन के अलोक में मीरा की वेदनानुभूति की विवेचना कीजिए। (15 अंक)

अथवा

रंगमंच और अभिनेयता की दृष्टि से 'मुक्तिपथ' नाटक की समीक्षा कीजिए।

4. आ० नंददुलारे वाजपेयी के निबंध 'भारतीय साहित्य की एकता' में व्यक्त विचारों का विवेचन कीजिए। (15 अंक)

अथवा

विद्यानिवास मिश्र के निबंध 'तमाल के झरोखे से' में व्यक्त विचारों को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्ही दो टिप्पणियों के उत्तर दीजिये। (7.5+7.5 अंक)

(क) 'चेतना का संस्कार' निबंधसार।
(ख) 'कुटज' निबंध की भाषा शैली।
(ग) 'लोभ और प्रीति' निबंध की भाषा शैली।
(घ) ध्रुव स्वामिनी की चारित्रिक विशेषताएँ।

*****

https://www.msbuonline.com